भारत सरकार
भारी उद्योग मंत्रालय

राज्यसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2330
07.08.2026 को उत्तर के लिए नियत

फेम-II तथा पीएम ई-ड्राइव योजनाओं का कार्यान्वयन

2330 **श्रीमती दर्शना सिंह:**
श्री राजेश परमानंद शुक्ल:

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और उनके निर्माण को बढ़ावा देने (फेम इंडिया) योजना तथा पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव इन इनोवेटिव व्हीकल एनहांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) इन योजनाओं के अंतर्गत समर्थित इलेक्ट्रिक वाहनों, स्थापित चार्जिंग अवसंरचना तथा प्रयुक्त की गई बैटरियों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) फेम-II एवं पीएम ई-ड्राइव के अंतर्गत विद्युत वाहनों, बैटरियों तथा उनके घटकों के स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं;
(घ) फेम-II तथा पीएम ई-ड्राइव योजनाओं के अंतर्गत आवंटित, जारी एवं व्यय की गई निधियों का ब्यौरा क्या है; और
(ङ) आगामी वित्तीय वर्ष के लिए देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी (बिजली से चलने वाले वाहनों और उनके चार्जिंग नेटवर्क का उपयोग) के लक्ष्य क्या हैं तथा इस क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की दीर्घकालिक रणनीति क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग राज्य मंत्री
(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क), (ख) एवं (घ): दिनांक 22.07.2026 की स्थिति के अनुसार, फेम-II तथा पीएम ई-ड्राइव स्कीमों के अंतर्गत आवंटित, जारी तथा उपयोग की गई निधियों का विवरण निम्नानुसार है:

तालिका 1

(करोड़ रु. में)

स्कीम	**कार्यान्वयन अवधि**	**आवंटित निधि**	**जारी निधि**	**उपयोग की गई निधि**
फेम-II	01.04.2019 to 31.03.2024	11,500	10,163	10,163
पीएम ई-ड्राइव स्कीम	01.04.2024 to 31.03.2028	10,900	2,322	2,322

(i) फेम-II स्कीम:

दिनांक 30.06.2026 की स्थिति के अनुसार, फेम-II के अंतर्गत 16,71,606 ईवी की बिक्री को सहायता प्रदान की गई और फेम-II के अंतर्गत कुल 5,297 ई-बसें तैनात की गई हैं।

दिनांक 01.07.2026 की स्थिति के अनुसार, फेम-II के अंतर्गत अखिल भारतीय स्तर पर 9,583 ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (ईवीपीसीएस) स्थापित किए जा चुके हैं। फेम-II की विस्तृत स्थिति **अनुलग्नक-I** में दी गई है।

(ii) पीएम ई-ड्राइव स्कीम :

दिनांक 22.07.2026 की स्थिति के अनुसार, स्कीम के अंतर्गत 26,54,172 ईवी की बिक्री को सहायता प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, 14000 ई-बसों और 7,250 ईवी चार्जरों का आवंटन किया गया है। स्कीम की वर्तमान स्थिति **अनुलग्नक-II** में दी गई है।

आज तक पीएम ई-ड्राइव स्कीम के अंतर्गत कोई भी चार्जर स्थापित नहीं किया गया है।

इसके अतिरिक्त, फेम-II तथा पीएम ई-ड्राइव के अंतर्गत केवल उन्नत बैटरियों से युक्त ईवी को ही प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है।

(ग): फेम-II तथा पीएम ई-ड्राइव स्कीम के अंतर्गत, ईवी एवं उनके संघटकों, जिनमें बैटरी पैक भी शामिल हैं, के स्वदेशी विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए विनिर्माताओं हेतु चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी) अनिवार्य किया गया है।

(ङ): पीएम ई-ड्राइव स्कीम के अंतर्गत अगले वित्तीय वर्ष के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं। स्कीम में इसकी सम्पूर्ण क्रियान्वयन अवधि के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों की एक निर्धारित संख्या को सहायता प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। पीएम ई-ड्राइव स्कीम के अंतर्गत शामिल सभी श्रेणी के इलेक्ट्रिक वाहनों के खंड-वार लक्ष्य **अनुलग्नक-II** की तालिका-1 में दिए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, पीएम ई-ड्राइव स्कीम के अंतर्गत अखिल भारतीय स्तर पर पर्याप्त संख्या में ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (ईवीपीसीएस) स्थापित करने के लिए ₹2,000 करोड़ का आवंटन किया गया है।

****

अनुलग्नक-I

1. दिनांक 30.06.2026 की स्थिति के अनुसार, फेम-II स्कीम के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है:

तालिका 1

क्र. स.	**श्रेणी**	**सहायता प्राप्त वाहनों की संख्या**
1	**ई-दुपहिया**	14,69,343
2	**ई-तिपहिया**	1,78,952
3	**ई-चौपहिया**	23,311
4	**ई-बसें**	5,297 (तैनात)
5	**ईवीपीसीएस**	9,583 (संस्थापित)
	कुल	**16,76,903**

2. दिनांक 31.03.2026 की स्थिति के अनुसार, फेम-II स्कीम के अंतर्गत सहायता प्राप्त ईवी का राज्यवार विवरण निम्नानुसार है:

तालिका-2

क्र. स.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**सहायता प्राप्त ईवी (संख्या)**
1	महाराष्ट्र	3,12,835
2	कर्नाटक	2,58,254
3	तमिलनाडु	1,32,997
4	गुजरात	1,27,551
5	केरल	1,04,611
6	दिल्ली	94,623
7	राजस्थान	93,556
8	उत्तर प्रदेश	92,572
9	तेलंगाना	78,721
10	मध्य प्रदेश	61,286
11	आंध्र प्रदेश	60,962
12	ओडिशा	54,752
13	छत्तीसगढ	38,641
14	बिहार	29,078

क्र. स.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	सहायता प्राप्त ईवी (संख्या)
15	पश्चिम बंगाल	22,379
16	हरियाणा	17,637
17	गोवा	15,168
18	पंजाब	13,403
19	झारखंड	12,821
20	उत्तराखंड	12,396
21	असम	12,155
22	त्रिपुरा	7,954
23	जम्मू कश्मीर	7,653
24	पुदुचेरी	4,054
25	चंडीगढ़	2,666
26	हिमाचल प्रदेश	1,167
27	मणिपुर	522
28	मेघालय	513
29	मिजोरम	328
30	दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव	271
31	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	30
32	अरुणाचल प्रदेश	16
33	लक्षद्वीप	16
34	सिक्किम	10
35	नागालैंड	8
	कुल	**16,71,606**

3. दिनांक 30.06.2026 की स्थिति के अनुसार, फेम-II स्कीम के अंतर्गत तैनात ई-बसों की राज्यवार स्थिति निम्नानुसार है:

तालिका-3

क्र. स.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	तैनात ई-बसों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	100
2	बिहार	25
3	दादरा एवं नगर हवेली	25
4	दिल्ली	1,321
5	तेलंगाना	0
6	गुजरात	650
7	कर्नाटक	1,221

8	महाराष्ट्र	830
9	ओडिशा	50
10	उत्तराखंड	30
11	उत्तर प्रदेश	600
12	पश्चिम बंगाल	40
13	गोवा	125
14	चंडीगढ़	80
15	जम्मू एवं कश्मीर	200
	कुल	**5,297**

4. दिनांक 01.07.2026 की स्थिति के अनुसार, फेम-II स्कीम के अंतर्गत तीन तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा संस्थापित ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों (ईवीपीसीएस) की राज्यवार संख्या की स्थिति निम्नानुसार है:

तालिका-4

क्र. स.	राज्य	संस्थापित ईवीपीसीएस
1	तमिलनाडु	1019
2	उत्तर प्रदेश	938
3	महाराष्ट्र	776
4	कर्नाटक	785
5	हरियाणा	561
6	आंध्र प्रदेश	548
7	राजस्थान	618
8	गुजरात	524
9	मध्य प्रदेश	451
10	पश्चिम बंगाल	482
11	पंजाब	439
12	तेलंगाना	425
13	केरल	352
14	बिहार	312
15	ओडिशा	236
16	झारखंड	193
17	छत्तीसगढ	165
18	असम	125
19	जम्मू एवं कश्मीर	76
20	उत्तराखंड	63

क्र. स.	राज्य	संस्थापित ईवीपीसीएस
21	दिल्ली	67
22	हिमाचल प्रदेश	57
23	मेघालय	29
24	गोवा	24
25	नागालैंड	23
26	मणिपुर	14
27	लद्दाख	13
28	पुदुचेरी	16
29	मिजोरम	7
30	दादरा एवं नगर हवेली	6
31	त्रिपुरा	5
32	अरुणाचल प्रदेश	3
33	अंडमान और निकोबार	0
34	चंडीगढ़	0
35	सिक्किम	1
36	लक्षद्वीप	0
	कुल	**9,353**

स्रोत : तीन तेल विपणन कंपनियाँ (ओएमसी) अर्थात् बीपीसीएल, आईओसीएल तथा एचपीसीएल।

इसके अतिरिक्त, अन्य सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रमों द्वारा 230 ईवीपीसीएस संस्थापित किए गए हैं।

अनुलग्नक-II

1. दिनांक 22.07.2026 की स्थिति के अनुसार, पीएम ई-ड्राइव स्कीम के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है:

तालिका-1

खंड	लक्ष्य संख्या	समर्थित ईवी
ई-दुपहिया	24,79,120	23,79,264
ई-रिक्शा और ई-कार्ट	39,034	6,547
ई-तिपहिया (एल5)	2,88,809	2,68,306
ई-ट्रक	5,643	55
ई-एम्बुलेंस	3,811	-
मांग प्रोत्साहन	**28,16,417**	**26,54,172**
ई-बसें	14,028	14,000 (आवंटित)
कुल	**28,30,445**	**26,54,172**

2. दिनांक 22.07.2026 की स्थिति के अनुसार, पीएम ई-ड्राइव स्कीम के अंतर्गत समर्थित ईवी का राज्यवार विवरण निम्नानुसार है:

तालिका-2

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	कुल
1	महाराष्ट्र	4,28,253
2	उत्तर प्रदेश	2,78,178
3	कर्नाटक	2,67,127
4	तमिलनाडु	2,58,704
5	मध्य प्रदेश	1,73,273
6	राजस्थान	1,56,022
7	केरल	1,52,532
8	ओडिशा	1,39,578
9	आंध्र प्रदेश	1,33,009
10	गुजरात	1,14,064
11	तेलंगाना	81,577
12	बिहार	72,879
13	छत्तीसगढ	62,599
14	पश्चिम बंगाल	58,944

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	कुल
15	दिल्ली	53,780
16	पंजाब	49,640
17	असम	42,035
18	हरियाणा	29,266
19	झारखंड	24,631
20	उत्तराखंड	19,373
21	जम्मू एवं कश्मीर	15,940
22	गोवा	13,850
23	त्रिपुरा	13,408
24	पुदुचेरी	7,376
25	चंडीगढ़	2,719
26	हिमाचल प्रदेश	1,790
27	मणिपुर	1,145
28	मिजोरम	1,119
29	मेघालय	806
30	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	330
31	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	61
32	अरुणाचल प्रदेश	52
33	लक्षद्वीप	22
34	सिक्किम	22
35	नागालैंड	13
	कुल	**26,54,117**

3. **ई-ट्रक:** 22.07.2026 की स्थिति के अनुसार, स्कीम के अंतर्गत 55 ई-ट्रकों की बिक्री की जा चुकी है।

4. **ई-बसें:** 14,000 ई-बसों का आवंटन निम्नानुसार किया गया है:

तालिका-3

क्र. सं.	शहर	कुल
1	बेंगलुरु	4,500
2	दिल्ली	2,800
3	हैदराबाद	2,200
4	अहमदाबाद	1,200
5	मुंबई	1,500
6	पुणे	1,000
7	सूरत	600

8	जम्मू और कश्मीर	200
	कुल	**14,000**

5. सार्वजनिक ईवी चार्जर: स्कीम के अंतर्गत 10 राज्यों में 6,559 सार्वजनिक ईवी चार्जरों की स्थापना हेतु प्राप्त अनुमोदित प्रस्तावों का विवरण निम्नानुसार है:

तालिका-4: 22.07.2026 तक की स्थिति

क्र. सं.	राज्य	ईवी चार्जरों की संख्या
1	कर्नाटक	1,571
2	दिल्ली	1,146
3	राजस्थान	805
4	उत्तर प्रदेश	714
5	आंध्र प्रदेश	577
6	तमिलनाडु	498
7	केरल	335
8	तेलंगाना	169
9	गुजरात	56
10	ओडिशा	688
	कुल	**6,559**

इसके अतिरिक्त, स्कीम के अंतर्गत तीन तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के 691 ईवी चार्जरों को भी अनुमोदित किया गया है।

6. परीक्षण एजेंसियां: राष्ट्रीय स्तर पर ईवी के प्रमाणन संबंधी क्षमताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से चार परीक्षण एजेंसियों—एआरएआई, आईकैट, नैट्रैक्स तथा जीएआरसी–के आधुनिकीकरण के लिए ₹780 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

****